राम के साथ रक्षा उत्पादों का बड़ा केंद्र बनेगी अयोध्या

75 हजार करोड़ का निवेश करेगी ब्रिटिश कंपनी ट्राफलगर स्क्वायर कैपिटल, किए पांच करार

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। प्रदेश का सबसे बड़ा निवेश अयोध्या में होने जा रहा है। ब्रिटेन की कंपनी ट्राफलगर स्क्वायर कैपिटल राम नगरी में डिफेंस विनिर्माण की इकाइयां लगाएगी। इसके लिए उसने पांच करार किए हैं। कुल निवेश 75000 करोड़ रुपये का होगा। यह देश में किसी एक जिले में एक साथ होने वाला सबसे बड़ा निवेश भी है।

प्रदेश के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति में कुल आठ मल्टीनेशनल कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। इनमें टॉशन इंटरनेशनल, आरजी ग्रुप, आस्टिन कंसल्टिंग ग्रुप, कॉसिस ग्रुप, इंडो यूरोपियन चैम्बर

सात और विदेशी कंपनियों ने दिखाई दिलचस्पी

ऑफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज, ब्रिटेन की ट्राफलगर स्क्वायर, एबीसी क्लीनटेक और यूनिकॉर्न एनर्जी शामिल हैं। नीति से प्रभावित ट्राफलगर स्क्वायर ने पांच और जर्मनी की यूनिकॉर्न ने दो करार पर हस्ताक्षर किए हैं।

रामनगरी में 26 हजार रोजगार के खुलेंगे द्वार

ट्राफलगर स्क्वायर के अयोध्या में निवेश से कम से कम 26 हजार नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। डिफेंस क्षेत्र में यह निवेश प्रदेश के डिफेंस कॉरिडोर नोड के बाहर किया जा रहा है।

- यूनिकॉर्न एनर्जी अपनी दो परियोजनाओं के जरिये लखनऊ और जौनपुर में प्रवेश करेगी। दोनों परियोजनाओं में करीब 42 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। ये सौर ऊर्जा से जुड़ी हैं। इनमें लगभग 2200 लोगों को रोजगार मिलेगा।
- जीएमआर समूह ने भी सौर ऊर्जा में निवेश के लिए 40 हजार करोड़ का करार फाइनल किया है। कंपनी ने अभी जगह का चुनाव नहीं किया है।
- आदित्य बिड़ला ग्रुप ने 25 हजार करोड़ का नया करार किया है। समूह प्रदेश में टेक्सटाइल और रेडीमेड की बड़ी इकाइयां लगाएगा।
- हिंदुजा समूह अशोक लीलैंड के ईवी वाहन का समझौता फाइनल करने के बाद फिल्म, मीडिया और सौर ऊर्जा क्षेत्र में भी 25 हजार करोड़ का निवेश करने जा रहा है।
- नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन ने ऊर्जा के क्षेत्र में 6 करार किए हैं। कॉरपोरेशन 74 हजार करोड़ से झांसी, सोनभद्र और प्रयागराज में प्लांट लगाएगा।